Television in certain Districts of Orissa

1658. SHRI CHINTAMANI JENA : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

When the Television system will be operating in Cuttack, Puri, Balasore, Maywebhanj, Ganjam and Fulbari Districts of Orissa ?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING AND SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE) : In the current Plan, so far as Orissa is concerned, only one scheme for setting up a T.V. transmitter at Cuttack, where production facilities already exist, has been approved. The work is expected to be taken up soon. The suggestion for setting up T.V. stations at other places in Orissa will be kept in view while formulating the next plan proposals.

राजस्थान के सीमावर्ती जिलों में प्रसारणों का सुना जाना

1659. **श्री विरधी चन्द्र जैन:** क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि आकाशवाणी के जोधपुर और दिल्ली केन्द्रों द्वारा किये जाने वाले प्रसारण राजस्थान के सीमावर्ती जियो–बाड़मेर और जैसलमेर में ठीक ढग से सुनाई नहीं देते हैं जिसके परिणामस्वरूप सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को आकाशवाणी का पूरा लाभ नही मिल पाता है ;

(ख) क्या यह सच है कि बाड़मेर जिले के मुख्यालय बाड़मेर में शक्तिशाली रेडियो स्टेशन खोलने का प्रस्ताव काफी समय से सरकार के विचाराधीन है ; और

(ग) सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों की उचित मांग को पूरा करने के लिए विभाग शक्तिशाली रेडियो स्टेशन कब तक खोलेगा ?

सूचना और प्रसारण तथा पूर्ति और पुनर्वास मंत्री (श्री वसन्त साठे): (क) बाड़मेर और जैसलमेर जिलों के पश्चिमी भाग दिन के समय की प्राथमिक सेवाए आकाशवाणी, जोधपुर और दिल्ली से प्राप्त नहीं करते । फिर भी, राजकोट में परिचालित 1000 कि. वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर, जो विदेश सेवाओं के लिए है, राजस्थान के सीमावर्ती क्षेत्रों में दिन में अच्छी सेवाएं और रात्रि के समय श्रेष्ठ सेवाएं प्रदान भी करता है । जोधपुर में 100 कि. वा. मीडियम वेव ट्रांसमीटर इन क्षेत्रों में संतोषजनक रात्रि सेवा प्रदान करता है।

(ख) जी, नहीं । संसाधनों की कमी के कारण सरकार के पास फिलहाल बाड़मेर में एक रेडियो केन्द्र स्थापित करने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है ।

(ग) प्रश्न नहीं उठता ।

राजस्थान में बिजली की कटौती का कृषि तथा उद्योग, परिवहन तथा जल आपूर्ति पर प्रभाव

1660. **श्री विरधी चन्द्र जैन:** क्या **ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि राजस्थान में फरवरी, 1980 से अब तक बिजली की सप्लाई में कटौती के कारण राज्य में और विशेषरूप से बाड़मेर, जैसलमेर, जोधपुर के राजस्थानी क्षेत्रों मे कृषि, उद्योग, परिवहन तथा जल आपूर्ति पर बहुत अधिक कुप्रभाव पड़ा है और उसके कारण औद्योगिक प्रतिष्ठान लगभग बन्द करने पड़े, औद्योगिक उत्पादन को धक्का लगा तथा गम्भीर जल समस्या पैदा हुई तथा शहरी एवं ग्रामीण लोगों में बहुत अधिक असंतोष उत्पन्न हुआ ; और

(ख) क्या राजस्थान को कोई सहायता अथवा सहयोग दिया गया है और यदि हां, तो इस बारे में ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए. बी. ए. गनी खान चौधरी) : (क) राजस्थान मे 29 जनवरी, 1980 से भिन्न-भिन्न वर्गों के उपभोक्ताओं पार भिन्न-भिन्न मात्रा की विद्युत कटौतियां और प्रतिबंध लागू है । इस समय 25 अश्व शक्ति तक के भार कनेक्शन वाले लघु उद्योगों पर 50 % विद्युत कटौती लागू है, 125 के.

वी. ए. तक की अनुबंधित मांग वाले मध्यम उद्योगों पर 60% विद्युत कटौती लागू है, 2000 के. वी. ए. तक की अनुबंधित मांग वाले बृहत् उद्योगों को विद्युत की सप्लाई अव्यस्ततम समय के दौरान मिलती है तथा उन पर 67% विद्युत कटौती भी लागू है, 2000 के. वी. ए. से अधिक अनुबंधित मांग वाले बृहत् उद्योगों पर 100% विद्युत कटौती है और परिवहन वर्कशापों पर 25% विद्युत कटौती है। किन्तु कृषि उपभोक्ताओं पर किसी प्रकार की अधिसूचित कटौतियां नहीं है और पानी सप्लाई संबंधी कार्यों पर केवल 10% विद्युत कटौतियां है। विद्युत की कमी का प्रभाव अनेक सेक्टरों पर पड़ता है जैसे उद्योग पर और किसी सीमा तक कृषि पर भी। पानी की सप्लाई समेत ग्रामीण उपभोक्ताओं को बिजली की सप्लाई प्रतिदिन 12 से 14 घंटे के लिए सुनिश्चित की जाती है और शहरों में पानी की सप्लाई के लिए विद्युत की सप्लाई, सांयकाल के व्यस्ततम समय को छोड़कर पूरे दिन के लिए सुनिश्चित की जाती है। तथापि जब भी विद्युत उपलब्धता कम रही तब डिसकनेक्शन के परिणामस्वरूप और रेडियल फीडर डिसकनेक्ट हो जाने के कारण रेडियल फीडरों से सप्लाई प्राप्त करने वाले कुछ क्षेत्रों में पानी की सप्लाई भी प्रभावित हुई थी।

(ख) राजस्थान में बिजली की कमी को कम करने के लिए मध्य प्रदेश से प्रतिदिन 4 लाख यूनिट तक की सहायता का प्रबंध 2 मार्च, 1980 से कर दिया गया है। 4 लाख से 6 लाख यूनिट तक की सहायता का प्रबंध केन्द्रीय सेक्टर के बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र से भी किया गया है।

गुजरात को सप्लाई किये गये कोयले की मात्रा

1661. **श्री मोतीभाई आर. चौधरी:** क्या ऊर्जा, सिंचाई और कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात राज्य को जनवरी, 1979 से फरवरी, 1980 के दौरान कितनी मात्रा में कोयला सप्लाई किया गया ;

(ख) गुजरात से अन्य उन राज्यों के क्या नाम है जिन्हें उसकी मांग से कम कोयला सप्लाई किया गया और कितना कम सप्लाई किया गया ; और

(ग) गुजरात को कोयला की मासिक आवश्यकता कितनी है और राज्य को कब तक अपनी मांग के अनुसार कोयला मिलना शुरू हो जायेगा ?

ऊर्जा तथा सिंचाई और कोयला मंत्री (श्री ए. बी. ए. गनी खान चौधरी) : (क) वेस्टर्न कोलफील्ड्स लि. से गुजरात को जनवरी, 1979 से फरवरी, 1980 तक की गई कोयले की माहवार सप्लाई निम्नलिखित है:--

महीना वेस्टर्न कोलफील्ड् लि. से की गई कोयले की सप्लाई	(हजार टन)
जनवरी, 79	419
फरवरी, 79	319
मार्च, 79	466
अप्रैल, 79	439
मई, 79	448
जून, 79	453
जुलाई, 79	486
अगस्त, 79	435
सितम्बर, 79	393
अक्टूबर, 79	428
नवम्बर, 79	474
दिसम्बर, 79	523
जनवरी, 80	534
फरवरी, 80	499

इसके अतिरिक्त ई. को. लि. से भी थोड़ी मात्रा में कोयले की सप्लाई की गई थी जिसके बारे में जानकारी तुरन्त उपलब्ध नहीं है।

(ख) विभिन्न उपभोक्ताओं सेक्टरों के लिये कोयले की मांग का निर्धारण अखिल भारतीय आधार पर किया जाता है, राज्य-